भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 487 का उत्तर

यात्री रेलगाड़ी के किराए में वृद्धि

487. श्री सुब्बारायण के.:
श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्रीमती रचना बनर्जी:
श्री जी. सेल्वम:
श्री सेल्वाराज वी.:
श्री पुष्पेंद्र सरोज:
श्री नवसकनी के.:
श्री मुरसोली एस.:
श्री राकेश राठौर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने 1 जुलाई, 2025 से यात्री रेलगाड़ी का किराया बढ़ा दिया है और यदि हां, तो विशेष रूप से एसी कोचों के लिए तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) प्रस्तावित किराया वृद्धि से प्रभावित होने वाली ट्रेनों की श्रेणियों जैसे मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर, सुपरफास्ट, वंदे भारत आदि तथा यात्रा की श्रेणियों-शयनशान, वातानुकूलित और सामान्य श्रेणी का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने प्रस्तावित किराया वृद्धि के कारण, विशेष रूप से लंबी दूरी और गैर-उपनगरीय मार्गों पर, दैनिक यात्रियों, निम्न/मध्यम आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर पड़ने वाले संभावित वित्तीय बोझ का आकलन/अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या निम्न आय वर्ग के यात्रियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, वरिष्ठ नागरिकों और आवश्यक यात्रा श्रेणियों के लिए किराए की वहनीयता को बनाए रखने के लिए कोई उपाय प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें संभावित छूट या सब्सिडी भी शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) किराया वृद्धि के लिए निर्धारित दूरी का ब्यौरा क्या है और हाल ही में किराया वृद्धि के आधार पर राजस्व में अपेक्षित वृद्धि क्या है;

(च) सामर्थ्य और राजस्व सृजन के बीच किस प्रकार संतुलन बनाने की योजना बनाई जा रही है;

(छ) क्या विभिन्न श्रेणियों के लिए किराया वृद्धि पर निर्णय लेने से पहले कोई सार्वजनिक परामर्श या हितधारकों की प्रतिक्रिया ली गई थी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ज) क्या सरकार उपनगरीय रेल सेवाओं के बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और आवृत्ति में सुधार करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज): भारतीय रेल द्वारा 720 करोड़ से अधिक यात्रियों को किफ़ायती परिवहन सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं। भारतीय रेल का किराया विश्व के सबसे कम किराए में शामिल है, यहां तक कि पड़ोसी देशों से भी तुलनात्मक रूप से कम है।

सब्सिडी: वित्त वर्ष 2023-24 में यात्रियों को दी जाने वाली सब्सिडी की कुल अनंतिम अनुमानित राशि 60,466 करोड़ रुपये है। यह यात्रियों की यात्रा लागत पर 45% सब्सिडी है।

5 वर्षों से अधिक के अंतराल के पश्चात, 1 जुलाई 2025 से किराए को युक्तिसंगत बनाया गया है। किरायों में बहुत कम वृद्धि की गई है, जो प्रीमियम श्रेणियों के लिए आधा पैसे प्रति कि.मी. से लेकर दो पैसे प्रति कि.मी. तक है।

किराया संशोधन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

i) द्वितीय श्रेणी साधारण श्रेणी में 500 कि.मी. तक कोई वृद्धि नहीं है और उसके बाद प्रति यात्री प्रति किलोमीटर किराये में आधा पैसा वृद्धि।
ii) शयनयान श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण श्रेणी में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर किराये में आधा पैसा वृद्धि।

iii) मेल एक्सप्रेस में गैर-वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 01 पैसा वृद्धि और

iv) आरक्षित वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 02 पैसे वृद्धि।

निम्न और मध्यम आमदनी वाले परिवारों के लिए किफायती बनाए रखने के लिए, मासिक सीज़न टिकट (एमएसटी) और उपनगरीय यात्रा के किराए में संशोधन नहीं किया गया है।

इसके अलावा, किराए में संशोधन का कुल सब्सिडी राशि पर नगण्य प्रभाव पड़ने की संभावना है क्योंकि यह संशोधन प्रति किलोमीटर यात्रा पर केवल आधे पैसे से लेकर 2 पैसे तक है।

यह अनुमान है कि आधे से भी कम यात्राओं में किराए में मामूली वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, साधारण डिब्बे में कम आमदनी वाले यात्री के लिए 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

उपनगरीय अवसंरचना और संरक्षा में सुधार करने के लिए, नेटवर्क विस्तार, रेलपथ उन्नयन आदि जैसे कई कार्य शुरू किए गए हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में उपनगरीय गाड़ी सेवाओं सहित अन्य गाड़ी सेवाओं के फेरों में वृद्धि करना सतत् प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य और संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

******